

आरक्षण में वोक्कालगि, लगीयतों की हसिसेदारी

प्रलिमिंस के लयि:

सामाजकि-सांस्कृतकि सुधार आंदोलन, वोक्कालगि, लगीयत, OBC ।

मेन्स के लयि:

वोक्कालगि और लगीयत समुदाय ।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में कर्नाटक ने दो प्रमुख समुदायों- वोक्कालगि और लगीयत को "पछिड़े वर्ग" की श्रेणी से "मामूली रुप से पछिड़े वर्ग" के रूप में वर्गीकृत किया है, इससे **अन्य पछिड़ा वर्ग (OBC)** आरक्षण में उनकी हसिसेदारी में वृद्धि हो सकती है ।

प्रमुख बदि

- कर्नाटक में वर्तमान में OBC के लयि आरक्षण 32% है और अनुसूचति जातितथा अनुसूचति जनजातके लयि आरक्षण क्रमशः 17% और 7% है, जो कि कुल मलिकर 56% है ।
- वीरशैव लगीयत के पंचमसाली उप-संप्रदाय ने 2A श्रेणी में शामिल करने की मांग रखी है, जसिमें 15% आरक्षण है, जबकि उनकी वर्तमान 3B श्रेणी में उन्हें 5% आरक्षण प्राप्त है ।
- पछिड़ा वर्ग के संबंध में मंत्रिमंडल का नरिणय कर्नाटक राज्य आयोग की सफिरशियों पर आधारति है ।
- वोक्कालगि समुदाय, जो वर्तमान में 3A श्रेणी के अंतरगत है, को 4% आरक्षण के साथ नव-नरिमति 2C श्रेणी में रखा जाएगा । साथ ही लगीयत समुदाय, जो 3B श्रेणी में है, अब 5% आरक्षण के साथ एक नई 2डी श्रेणी में आ जाएगा ।
- मंत्रिमंडल के फैसले द्वारा यह सुनिश्चति कयि गया है लगीयत समुदाय का कोई उप-वर्गीकरण नहीं है ।
- लगीयत एक प्रमुख समुदाय है जो कर्नाटक की छह करोड़ आबादी का लगभग 17% है , जसिके बाद वोक्कालगि समुदाय की आबादी इस संदर्भ में दूसरे स्थान पर है । नई श्रेणियों अन्य समुदायों को प्रदान कयि गए मौजूदा आरक्षण को प्रभावति नहीं करेंगी ।
- यह आरक्षण केवल शकिषा और नौकरयियों पर लागू होगा, यह "राजनीतिक आरक्षण का दावा नहीं करता ।

लगीयत:

- परचिय:
 - लगीयत शब्द का आशय एक ऐसे व्यक्तसे है जो दीक्षा समारोह के दौरान प्राप्त लगी को शरीर पर व्यक्तगित रूप से धारण करता है जसि भगवान शवि के एक प्रतष्ठिति रूप मानते हुए धारण कयि जाता है ।
 - लगीयत 12वीं सदी के समाज सुधारक-दारशनकि कवि बसवेश्वर के अनुयायी हैं ।
 - बसवेश्वर जातवियवस्था और वैदकि कर्मकांडों के खलिफ थे ।
 - लगीयत कट्टर एकेश्वरवादी हैं । वे केवल एक भगवान, अर्थात् लगी (शवि) की पूजा करने का आदेश देते हैं ।
 - लगीयतों को "वीरशैव लगीयत" नामक एक हद्दि उपजातके रूप में वर्गीकृत कयि गया था और उन्हें शैव माना जाता है ।
- लगीयतों के लयि अलग धर्म:
 - लगीयतों ने हद्दि वीरशैव से स्वयं को दूर कर लयि था, क्योंकि हद्दि वीरशैव वेदों का पालन करते थे तथा जातवियवस्था का समर्थन करते थे और बसवेश्वर इसके वरिद्ध थे ।
 - वीरशैव पाँच पीठों (धार्मकि केंद्र) के अनुयायी हैं, जनिहें 'पंच पीठ' भी कहा जाता है ।
 - इन पीठों को आदि शंकराचार्य द्वारा स्थापति चार पीठों के समान ही माना जाता है ।

वोक्कालगि:

- यह भी माना जाता है कि राष्ट्रकूट और पश्चिमी गंग वोककालिगा मूल के थे।
- वोककालिगा व्यवसाय के संदर्भ में परभाषति एक श्रेणी है या एक जातीय श्रेणी हो सकती है; मूल रूप से ये कसान हैं।
- वोककालिगा जाति का उद्भव भारतीय राज्य कर्नाटक में हुआ है। मैसूर की पूर्व रियासत में वोककालिगा सबसे बड़ा समुदाय था।
- उन्होंने प्राचीन मैसूर में योद्धाओं और कृषकों के एक समुदाय के रूप में जनसांख्यिकीय, राजनीतिक और आर्थिक प्रभुत्व कायम रखा है।

समय के साथ OBC आरक्षण की स्थिति:

- वर्ष 1953 में स्थापित कालेलकर आयोग, राष्ट्रीय स्तर पर अनुसूचित जातियों (SC) और अनुसूचित जनजातियों (ST) के अलावा अन्य पछिड़े वर्गों की पहचान करने वाला पहला आयोग था।
- वर्ष 1980 में प्रस्तुत मंडल आयोग की रिपोर्ट में OBC जनसंख्या 52% होने का अनुमान लगाया गया था और 1,257 समुदायों को पछिड़े के रूप में वर्गीकृत किया गया था।
- इसने OBC को शामिल करने के लिये मौजूदा कोटा, जो केवल SC/ST के लिये था, को 22.5% से बढ़ाकर 49.5% करने की सफ़ारिश की।
- केंद्र सरकार ने OBC के लिये यूनिटन सविलि पदों और सेवाओं में 27% सीटें आरक्षण की हैं [अनुच्छेद 16 (4)]। कोटा बाद में केंद्र सरकार के शैक्षणिक संस्थानों में लागू किया गया [अनुच्छेद 15 (4)]।
 - वर्ष 2008 में सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार को OBC के बीच क्रीमी लेयर (उन्नत वर्ग) को बाहर करने का निर्देश दिया।
- 102वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2018 ने राष्ट्रीय पछिड़ा वर्ग आयोग (NCBC) को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया, जो पहले सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के तहत एक वैधानिक निकाय था।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न (PYQs)

प्रश्न. क्या कमज़ोर और पछिड़े समुदायों के लिये आवश्यक सामाजिक संसाधनों की रक्षा करके उनके उत्थान के लिये सरकार की योजनाएँ, शहरी अर्थव्यवस्थाओं में व्यवसाय स्थापति करने में उनके बहिष्कार की ओर ले जाती हैं? (2014)

प्रश्न. एक वैधानिक निकाय से एक संवैधानिक निकाय में परिवर्तन के मद्देनज़र राष्ट्रीय पछिड़ा वर्ग आयोग की भूमिका पर चर्चा कीजिये। (2022)

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/vokkaligas,-lingayats-share-in-reservation>

